

01/10/25 अन्वय पत्र मध्य कापि वरुण

~~अपान~~ / साधु जयमि

गवाह 000 - 1 रेखा के

अपान मेखलद सुरण गवाह

के त्याग्य पर वराब हो के कारण

कापि वरुण कापी के विवेक को

चाह्यमान हिरु के डेक उभिन गने

पत्रा 10/10/25 कोपे र

सिविल न्यायाधीश
राजप